Downloaded from www.studiestoday.com

विषय-2

लेखन कला और शहरी जीवन

लेखन कला और शहरी जीवन

स्मरणीय तथ्य-

1. **मेसोपोटामिया**- दज़ला और फ़रात नदियों के बीच स्थित यह प्रदेश आजकल इराक गणराज्य का हिस्सा है।
2. मेसोपोटामिया की सभ्यता शहरी जीवन, समृद्धता, गणित, समृद्ध साहित्य तथा खगोल-शास्त्र के लिए प्रसिद्ध है।
3. **भाषा**- इस सभ्यता में सबसे पहले 'सुमेरी' भाषा, उसके बाद 'अक्कदी' भाषा और बाद में 'अरामाइक' फलती-फूलती रही।
4. **मेसोपोटामिया के ऐतिहासिक स्त्रोत**- इमारतें, मूर्तियाँ, कब्रें, आभूषण, औजार, मुद्राएं, मिट्टी की पट्टिका और लिखित दस्तावेज हैं।
5. इस सभ्यता में नगर का निर्माण 3,000 ई.पू. में आरम्भ हो गया था।
6. **क्यूनीफार्म (कीलाकार) लिपि**- इस सभ्यता में लेखन प्रणाली में इस्तेमाल होने वाली लिपि।
7. यह सभ्यता अपनी संपन्नता, शहरी जीवन, विशाल एवं समृद्ध साहित्य, गणित तथा खगोल विद्या के लिए प्रसिद्ध है।
8. **एकल परिवार**- इस परिवार में पति-पत्नी और उनके बच्चे शामिल होते थे।
9. इस सभ्यता में 'उर' व 'मारी' प्रसिद्ध नगर थे।
10. इस सभ्यता के लोग मन्दिरों में देवी, देवताओं की पूजा में अन्न, दही और मछली का प्रयोग करते थे।
11. इस सभ्यता में 'श्रम विभाजन' शहरी जीवन की विशेषता थी।
12. इस सभ्यता में लकड़ी, सिंध, चांदी, सोना, सीपी और पत्थर आदि सामान तुर्की व ईरान से

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

आयात करते थे।

13. **कानूनी दस्तावेज**- सबसे पहले इसी सभ्यता में विकास किया गया।

14. इस सभ्यता के लोग गुणा, भाग, वर्गमूल, चक्रवृद्धि ब्याज आदि से परिचित थे।

15. मेसोपोटामिया सभ्यता में लेखन कला का विकास होने से लेखा-जोखा रखना आरम्भ हो गया था।

16. इस सभ्यता में एक वर्ष में 12 महीने, एक दिन में 24 घंटे, एक घंटे में 60 मिनट आदि का विकास हो गया था।

17. **स्टेल**- पत्थर के ऐसे शिलापट्ट होते हैं जिन पर अभिलेख उत्कीर्ण किये जाते हैं।

18. सन् 1850 में कीलाकार लिपि के अक्षरों को पहचान कर पढ़ा गया।

19. इस सभ्यता में पारिवारिक कानून भी निर्मित थे।

20. **साक्षरता**- इस सभ्यता में बहुत ही कम लोग पढ़े-लिखे थे।

21. 'उर' नगर की गलियां सँकरी तथा टेढ़ी-मेढ़ी थीं।

22. मारी नगर बहुत समपन्न तथा खुशहाल था।

23. ध्वनियों के उच्चारण से ही भाषा का विकास हुआ।

24. सूर्य व चन्द्र ग्रहण का हिसाब रखा जाता था।

www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

अनुभाग-एक

विषय-2 लेखन कला और शहरी जीवन

अति लघु प्रश्न (2 अंक वाले)

1. श्रम-विभाजन शहरी जीवन की विशेषता है। दो बिंदु दीजिए।
2. मेसोपोटामिया में सामान के आयात-निर्यात किस प्रकार होता था?
3. मेसोपोटामिया में भाषा के इस्तेमाल का वर्णन कीजिए।
4. मुखिया अपने आस-पास लोगों को क्यों बसाता था? तर्क दीजिए।
5. मेसोपोटामिया में बहुत कम लोग पढ़-लिख पाते थे? तर्क देकर स्पष्ट कीजिए।
6. मारी नगर के राजमहल की किन्हीं दो विशेषताओं का वर्णन कीजिए।
7. मेसोपोटामिया शब्द का अर्थ स्पष्ट कीजिए।

लघु प्रश्न (5 अंक वाले)

8. मेसोपोटामिया की भौगोलिक स्थिति का वर्णन कीजिए।
9. मेसोपोटामिया की कृषि-व्यवस्था का वर्णन कीजिए।
10. मेसोपोटामिया में शहरीकरण का क्या महत्व था? विवेचना कीजिए।
11. लेखन कला के क्रमबद्ध विकास का वर्णन कीजिए।
12. दक्षिणी मेसोपोटामिया के इलाके में ग्रामीण लोगों के मध्य झगड़े क्यों होते थे? स्पष्ट कीजिए।
13. मेसोपोटामिया में परिवार व शादी के लिए कैसे नियम थे? स्पष्ट कीजिए।
14. 'उर' शहर की नगर-योजना का वर्णन कीजिए।
15. यह कहना क्यों सही होगा कि खानाबदोश पशुचारक निश्चित रूप से शहरी जीवन के लिए खतरा थे?
16. मारी नगर एक प्रसिद्ध व्यापारिक नगर था तर्क देकर स्पष्ट कीजिए।
17. मेसोपोटामिया सभ्यता में लेखन कला की क्या देन है? स्पष्ट कीजिए।

दीर्घ प्रश्न (10 अंक वाले)

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

18. मेसोपोटामिया की प्रमुख उपलब्धियों का वर्णन कीजिए।

19. 'उर' नगर की नगर-योजना को विस्तार से समझाइए।

अपेक्षित उत्तर/संकेत एवं मूल बिन्दु

अति लघु प्रश्नोत्तर (2 अंक वाले)

1. ❑ नगर के सब लोग एक-दूसरे पर निर्भर हैं।
   ❑ एक पत्थर की मुद्रा तराशने वाले को काँसे के औजारों की आवश्यकता होती है क्योंकि उसकी विशेषता तो पत्थर उकेरने (नक्काशी) तक ही सीमित है।
   ❑ काँसे के औजार बनाने वाले को भी तांबा, रांगा (टिन) और साथ ही लकड़ी के कोयले की आवश्यकता होती है।

2. ❑ मेसोपोटामिया में खनिज-संसाधनों का अभाव था, इसलिए वे लकड़ी, तांबा, रांगा, चांदी, सोना, सीपी और अन्य कीमती पत्थरों का तुर्की व ईरान से आयात करते थे।
   ❑ वे अपना कपड़ा, कृषि-उत्पाद काफी मात्रा में निर्यात करते थे।

3. ❑ भाषा का इस्तेमाल हिसाब-किताब रखने में।
   ❑ शब्दकोश बनाने में।
   ❑ भूमि हस्तांतरण को कानूनी मान्यता प्रदान करने के लिए।
   ❑ कानूनों में परिवर्तन करने के लिए।
   ❑ राजाओं के कार्यों का वर्णन करने तथा आदेश जारी करने में।

4. ❑ आवश्यकता पड़ने पर सेना तैयार मिले।
   ❑ आस-पास बसने से अपने आपको सुरक्षित महसूस कर सकें।

5. ❑ मेसोपोटामिया के बहुत कम लोग पढ़-लिख सकते थे।
   ❑ प्रतीकों या चिन्हों की संख्या सैकड़ों में थी तथा वे अधिक पेचीदा भी थे।

6. ❑ मारी नगर का विशाल राजमहल वहां के शाही परिवार का निवास-स्थान था।
   ❑ यह राजमहल प्रशासन तथा कीमती धातुओं के निर्माण का मुख्य केन्द्र था।
   ❑ राजा के भोजन की मेज पर हर रोज भारी मात्रा में खाद्य पदार्थ- आटा, रोटी, मांस, मछली, फल, मदिरा व बीयर आदि रखे जाते थे।
   ❑ इस विशाल महल में 260 कक्ष थे।

7. ❑ मेसोपोटामिया नाम यूनानी भाषा के दो शब्दों 'मेसोस' अर्थात् 'मध्य' और 'पोटैमोस' अर्थात्

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

'नदी' से मिलकर बना है।

- ❑ इसलिए मेसोपोटामिया शब्द दजला व फरात नदियों के बीच की उपजाऊ धरती को माना जाता है।
- ❑ यह ऐतिहासिक भूमि आजकल इराक गणराज्य का हिस्सा है।

लघु प्रश्न (5 अंक वाले)

8.
- ❑ इराक भौगोलिक विविधता का देश है।
- ❑ इसके पूर्वोत्तर भाग में हरे-भरे मैदान हैं जिनमें छायादार पेड़ व पर्वत श्रृंखलाएं हैं।
- ❑ यहां पर्याप्त वर्षा होने से अच्छी फसल हो जाती है।
- ❑ भेड़-बकरियां यहां उगने वाली छोटी-छोटी झाड़ियों और घास से अपना पेट भर लेती हैं।
- ❑ पूर्व में दजला की सहायक नदियां ईरान के पहाड़ी प्रदशों में जाने के लिए परिवहन का अच्छा साधन हैं।
- ❑ दजला व फरात नदियों ने इस मैदान को सुन्दर, रमणीय, हरा-भरा तथा उपजाऊ बनाया है।

9.
- ❑ यहां 7,000 से 6,000 ई.पू. के बीच खेती आरंभ हो गयी थी।
- ❑ यहां की मुख्य फसलें गेहूं, जौ, मटर, मसूर हैं। गर्मियों में खजूर के पेड़ अत्यधिक फल देते थे।
- ❑ समकालीन सभ्यताओं में सबसे अच्छी खेती यहीं पर होती थी।
- ❑ ऊंचाई वाले इलाकों में, भारी मात्रा में मांस, दूध, ऊन आदि वस्तुएँ मिल जाती हैं।
- ❑ स्टेपी घास के मैदानों में पशुपालन भी आजीविका का अच्छा साधन है।
- ❑ दजला व फरात कई धाराओं में बंटकर नहरों के रूप में खेतों की सिंचाई करती है।
- ❑ अच्छी खेती ही शहरी जीवन का आधार है।

10.
- ❑ खाद्य उत्पादन के साथ-साथ आर्थिक गतिविधियां विकसित होने लगती हैं
- ❑ जनसंख्या का घनत्व बढ़ने से कस्बे बसने लगते हैं।
- ❑ धीरे-धीरे कारोबार बढ़ने से व्यापार के केन्द्र बन जाते हैं।
- ❑ शहरी अर्थव्यवस्था को अपना हिसाब-किताब लिखित रूप में रखना होता है।
- ❑ श्रम-विभाजन का भी शहरी अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान है।
- ❑ कुशल परिवहन व्यवस्था का भी इस सभ्यता में महत्वपूर्ण योगदान है।

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

11. ❑ मेसोपोटामिया के लोग मिट्टी की पट्टिकाओं पर लिखा करते थे।
    ❑ चिकनी मिट्टी को आकार देकर सुखाया जाता था।
    ❑ लिखने वाली सतह चिकनी बनायी जाती थी।
    ❑ सरकंडे की तीली की नोक से पट्टी पर लिखा जाता था।
    ❑ पट्टी धूप में सूखकर पक्की हो जाती थी।
    ❑ यहां पर खुदाई से सैकड़ों पट्टिकाएं मिली हैं।

12. ❑ ग्रामीणों में पानी व जमीन के लिए झगड़े बार-बार होते थे।
    ❑ नदियों के रास्ता बदलने से लोग पुनः स्थापित होते रहते थे।
    ❑ नदी की जल धाराओं के ऊपर रहने वाले लोग सारा पानी अपने खेतों में इस्तेमाल कर लेते थे।
    ❑ कभी-कभी नदी में गाद जमने से नदी का बहाव रुक जाता था।
    ❑ इसलिए नीचे वाले लोगों को पानी नहीं मिलता था और उनके खेत सूखे रह जाते थे।

13. ❑ समाज में एकल परिवार ही आदर्श माना जाता था।
    ❑ पिता परिवार का मुखिया होता था।
    ❑ शादी की शुरुआत में वधू के माता-पिता अपनी सहमति देते थे।
    ❑ विवाह की रस्म पूरी होने पर दोनों पक्ष उपहारों का आदान-प्रदान करते थे।
    ❑ एक साथ बैठकर भोजन करते थे।
    ❑ मन्दिर में पूजा करने के बाद, सास नववधू को लेने आती थी।
    ❑ शादी के बाद पुत्र माता-पिता के पास ही रहता था।
    ❑ पिता का घर, पशु धन, खेत आदि उसके पुत्रों को ही मिलता था।

14. ❑ 'उर' नगर में गलियां संकरी, टेढ़ी-मेढ़ी थी।
    ❑ अनाज के बोरे, ईंधन के गट्ठे गधे पर लाद कर घर पर लाए जाते थे।
    ❑ गलियाँ बहुत घुमावदार व पतली थीं।
    ❑ जल निकासी के लिए नालियाँ, सड़कों के किनारे न होकर घरों के भीतर पायी गयी हैं।
    ❑ लोग वर्षा के जल के लिए घर में हौज बनाते थे जिससे बाहर गली में कीचड़ न हो जाय।

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

15. ❑ मारी नगर में किसान तथा पशुचारक दोनों ही रहते थे।
❑ पशुचारकों को जब अनाज, धातु के औजारों आदि की आवश्यकता होती थी तब वे अपने पशुओं तथा उनके पनीर, चमड़ा, व मांस आदि के बदले ये चीजें प्राप्त करते थे।
❑ गोबर की खाद भी किसानों के लिए बहुत उपयोगी थी।
❑ गड़रिये कई बार अपनी भेड़-बकरियों को पानी पिलाने के लिए बोए हुए खेतों से गुजर कर जाते थे। परिणाम स्वरूप किसानों की फसल को हानि पहुँचती थी।
❑ गड़रिये (खानाबदोश) कई बार किसानों की बस्ती पर हमला बोल देते थे।
❑ किसान भी कई बार नदी-नहर तक जाने से गड़रियों को रोक देते थे।
❑ इसलिए दोनों के बीच झगड़े होते रहते थे।

16. ❑ मारी नगर एक महत्वपूर्ण व्यापारिक स्थल पर स्थित था। यहां से लकड़ी, तांबा, रांगा, तेल, मदिरा आदि माल फरात नदी से तुर्की, सीरिया, लेबनान आदि के साथ व्यापार होता था।
❑ दक्षिणी नगरों को जाने वाले पोत जो पत्थर, चक्की, लकड़ी, शराब व तेल के पीपों से लदे होते थे मारी में रुकते थे।
❑ लदे माल पर 10% कर वसूल किया जाता था।
❑ यह नगर उन दिनों तांबे व टिन के व्यापार के लिए प्रसिद्ध था।
❑ कांसा औजार बनाने के लिए प्रयोग किया जाता था।
❑ मारी नगर व्यापार के लिए सम्पन्न व समृद्ध नगर था।

17. ❑ कुछ किस्से कहानियों को तो मौखिक रूप से याद रखते हैं।
❑ परन्तु विज्ञान, गणित को जीवित रखने के लिए दस्तावेजों, किताबों की आवश्यकता होती है।
❑ कालगणना का लेखा-जोखा भी लिखित रूप में मिला है।
❑ सूर्य, चन्द्र ग्रहण का हिसाब रखा जाता था।
❑ विद्यार्थीगण पुरानी पट्टिकाओं को पढ़ते थे।
❑ कुछ छात्रों को इतना सम्पन्न बनाया जाता था कि बौद्धिक उपलब्धियों को सवाँर कर अगली पीढ़ी को प्रदान करें।
❑ यह सब लेखन कला की ही देन है जिससे हम मेसोपोटामिया की उपलब्धियाँ जान पाये हैं।

दीर्घ प्रश्नोत्तर (10 अंक वाले)

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

19.
- ❑ लेखन कला सर्वाधिक महत्वपूर्ण देन।
- ❑ गणित की गणनाओं का विकास।
- ❑ विद्यालय जैसी संस्थाएँ।
- ❑ मेसोपोटामिया के शहरी लोगों का आधुनिक तौर-तरीकों से परिचित होना।
- ❑ शहरी जीवन तथा सामाजिक व्यवस्था।
- ❑ विवाह, उत्तराधिकार के मामलों में कानूनी दस्तावेजों का होना।
- ❑ मोहर : एक शहरी शिल्प कृति।
- ❑ 5000 ई.पू. बस्तियों का विकास।
- ❑ लेखन-प्रणाली।
- ❑ शहरीकरण का महत्व

20.
- ❑ उर नगर की सबसे पहले खुदाई।
- ❑ पतली व घुमावदार गलियाँ।
- ❑ नगर नियोजन की पद्धति का अभाव।
- ❑ जल निकासी की व्यवस्था न होना।
- ❑ घरों के बारे में अंधविश्वासों का प्रचलन।
- ❑ कमरों में खिड़कियों का अभाव।
- ❑ शकुन-अपशकुन संबंधी बातें।
- ❑ नगरवासियों के लिए कब्रिस्तान।
- ❑ आँगन में हौज़ों का होना।
- ❑ सामान का लाना ले जाना।

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

विषय-1

लेखन कला और शहरी जीवन

अनुच्छेद - वार्का शार्ष

निम्नलिखित अनुच्छेद को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए :-

3000 ई.पू. उरुक नगर में स्त्री का यह सिर एक सफेद संगमरमर को तराशकर बनाया गया था। इसकी आंखों और भौंहों में क्रमश: नीले लाजवर्द तथा सफेद सीपी और काले डामर की जड़ाई की गई होगी। सिर के ऊपर एक खांचा बना हुआ जो शायद गहना पहनने के लिए बनाया गया था। यह मूर्तिकला का एक विश्व-प्रसिद्ध नमूना है, इसके मुख, ठोड़ी और गालों की सुकोमल-सुंदर बनावट के लिए इसकी प्रशंसा की जाती है। यह ऐसे कठोर पत्थर में तराशा गया है जिसे काफी अधिक दूरी से लाना पड़ा होगा।

प्रश्न

1. स्त्री का यह सिर कितने वर्ष पुराना है? 2
2. आंखों व भौंहों पर कौन-कौन सा सजावट का सामान लगाया है? 3
3. यह मूर्ति कला का कैसा नमूना है? 2
4. उपरोक्त वर्णित शहर का नाम बताइए? 1

एक पुराकालीन पुस्तकालय

निम्नलिखित अनुच्छेद को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए :-

एक पुराकालीन पुस्तकालय

लौहयुग में, उत्तरी प्रदेशों के असीरियाई लोगों ने एक साम्राज्य की स्थापना की जो 720 से 610 ई.पू. तक अपनी उन्नति के शिखर पर रहा। यह साम्राज्य मिश्र तक फैला हुआ था। राज्य की अर्थव्यवस्था उन दिनों लूटमार की हो गई थी क्योंकि अधीनस्थ प्रजाजनों को दबाकर उनसे खाद्य-सामग्री, पशु, धातु तथा शिल्प की वस्तुओं के रूप में बेगार और नजराना जबरदस्ती लिया जाता था।

बड़े-बड़े असीरियाई शासक जो बाहर से आकर बसे थे, दक्षिणी क्षेत्र बेबीलोनिया को उच्च संस्कृति का केंद्र मानते थे। उनमें से आखिरी राजा अशुरबनिपाल (668-625 ई.पू.) ने उरुक में स्थित

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

अपनी राजधानी निनवै में एक पुस्तकालय की स्थापना की। उसने इतिहास, महाकाव्य, शकुन साहित्य, ज्योतिष विद्या, स्तुतियों और कविताओं की पट्टिकाओं को इकट्ठा करने का बहुत प्रयत्न किया और उसमें सफल रहा। उसने अपने लिपिकों को दक्षिण में पुरानी पट्टिकाओं का पता लगाने के लिए भेजा। क्योंकि दक्षिण में लिपिकों को विद्यालयों में पढ़ना-लिखना सिखाया जाता था, जहां उन्हें दर्जनों की संख्या में पट्टिकाओं की नकलें तैयार करनी होती थीं। बेबीलोनिया में ऐसे भी नगर थे जो पट्टिकाओं के विशाल संग्रह तैयार किए जाने और प्राप्त करने के लिए मशहूर थे। हालांकि लागभग 1800 ई. पू. के बाद सुमेरियन भाषा बोली जानी बंद हो गई थी, लेकिन विद्यालयों में वह शब्दावलियों, संकेतों-सूचियों, द्विभाषी (सुमेरी और अक्कदी) पट्टिकाओं आदि के माध्यम से अब भी पढ़ाई जाती थी। इसलिए 650 ई.पू. में भी 2000 ई.पू. तक पुरानी कीलाकार अक्षरों में लिखी पट्टिकाएं पढ़ी और समझी जा सकती थीं- और असुरबनिपाल के आदमी यह जानते थे कि पुरानी पट्टिकाओं और उनकी प्रतिकृतियों को कहां खोजा और प्राप्त किया जा सकता है।

प्रश्न

1. उच्च संस्कृति के केन्द्र का नाम बताइए। 2
2. पुस्तकालय की स्थापना किस शहर में हुई? 1
3. पुस्तकालय में रखने के लिए कौन-कौन से विषय की पुस्तक एकत्रित की थी? 3
4. बेबीलोनिया के नगर किस बात के लिए मशहूर थे? 2

www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

विषय-2

पश्चिम एशिया

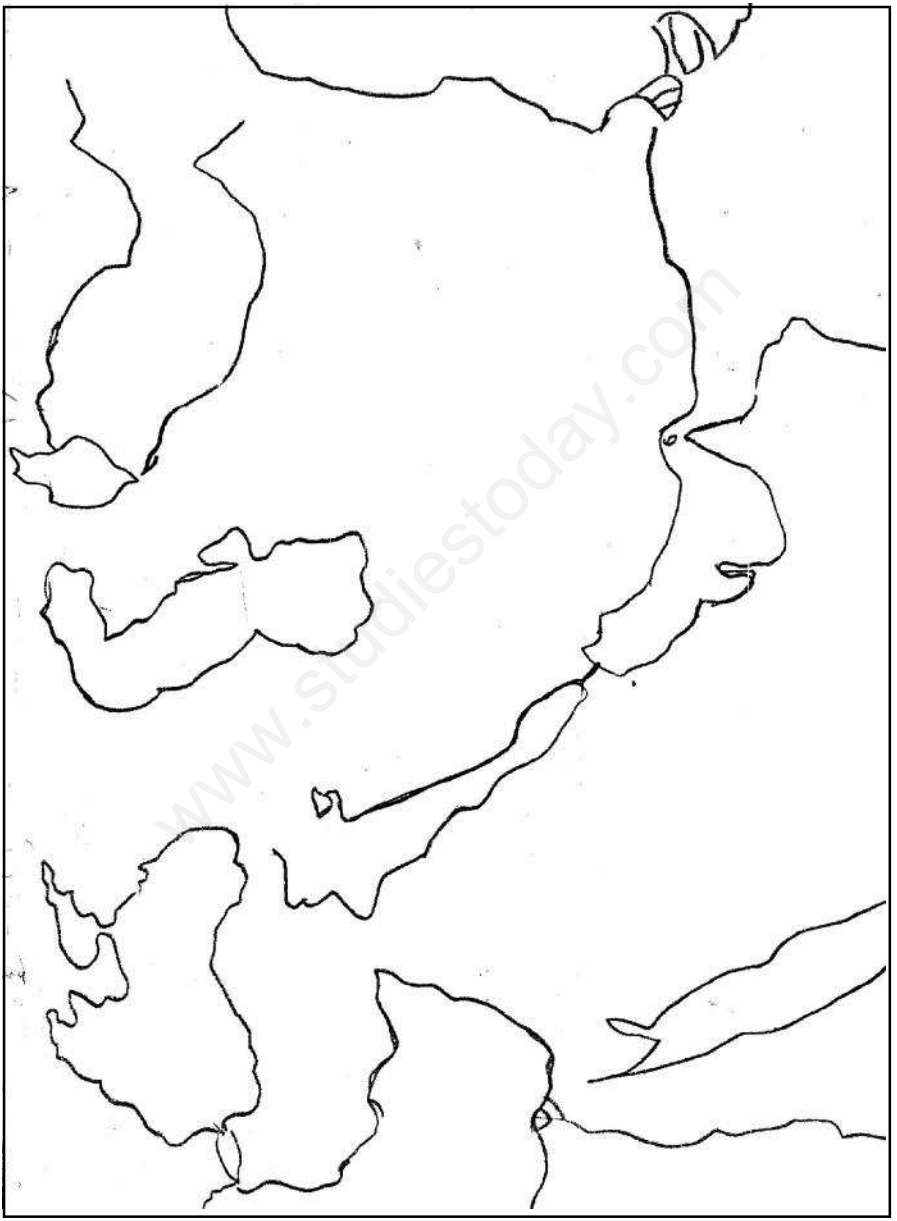

दिए गए पश्चिम एशिया के मानचित्र में निम्नलिखित को अंकित कीजिए।

1. दजला नदी, 2. ईरान, 3. रूस, 4. बेबीलोन, 5. मारी

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

विषय-2

पश्चिम एशिया

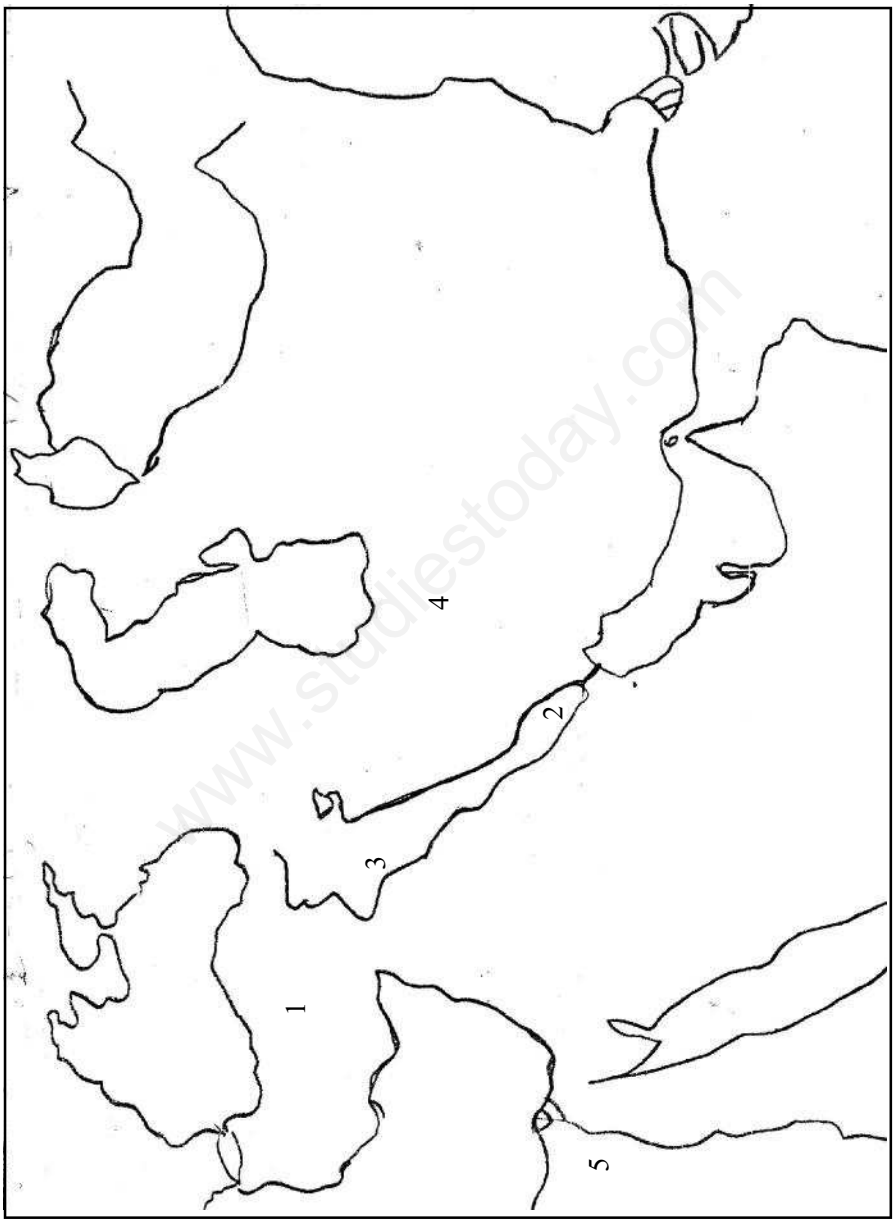

दिए गए पश्चिम एशिया के मानचित्र पर पांच स्थान 1-5 तक दिए गए हैं पहचान कर उनके नाम लिखिए-

Downloaded from www.studiestoday.com